एवं अभिलेखागार निदेशक सहित अनेक विद्वानों ने छानबीन की है परन्तु अभी तक इस तलवार की खोजबीन में सफल नहीं हुए हैं। इस वस्तु की पहिचान तथा खोज विद्वतापूर्ण अनुसंधान का एक मामला है।

Loss of Milk in processing at Central Dairy

*314. DR SAROJINI MAHISHI Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) what are the reasons for the increased loss of milk in processing at the Central Dairy and

(b) whether this can be wholly attributed to the decline in the condition and performance of the plant and the equipment?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) The milk losses in processing at the Central Dairy of D M S have not increased; in fact, the everage milk fat loss in processing had declined in 1977-78 as compared to the previous year

(b) Does not arise

गैर-सरकारी एजेन्सियों के माध्यम से दिल्ली में आवासों का निर्माण

*315 श्री भारत सिंह चौहान :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

क्या निर्माण, और आवास तथा पूर्ति और और पुनर्वास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में गैर-सरकारी क्षेत्र में आवासों के निर्माण के लिए एक योजना तैयार की गई है, और

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख). एक योजना बनाई जा रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के लिए भवन का निर्माण

*316. श्री राज केसर सिंह : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या दिल्ली विश्वविद्यालय संघ ने दक्षिणी परिसर के लिये भवन के निर्माण और उससे सम्बद्ध कालेजों के छात्रों के लिए छात्रावास सुविधाओं की मांग की है, और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) और (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, दक्षिण-दिल्ली परिसर के लिए भवन निर्माण के वास्ते दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ द्वारा कोई मांग नहीं की गई है। विश्वविद्यालय ने परिसर के लिए आवश्यक भूमि प्राप्त कर ली है तथा उसका प्रस्ताव क्रमिक ढंग से भवन निर्माण कार्य शुरू करने का है।

Role of voluntary organisations in the sphere of youth development

*317. SHRI P. KANNAN: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have made an in-depth study of the role of vo-

luntary organisations in the sphere of youth development;

(b) the concrete progress made during the last two years with regard to activating their role; and

(c) the precise safeguards made to ensure that such activities are kept free from politics?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUNDER). (a) to (c) While no specific in-depth study as referred to by the Hon Member has been made, voluntary organisations are encouraged in the sphere of youth development The scheme of financial assistance to these organisations was reviewed with a view to streamlining procedures In 1976-77, the number of such voluntary agencies assisted was 21 and the amount of grant sanctioned was Rs 1 92 lakhs In 1977-78, however, the number rose to 38 and the financial assistance to Rs 8 6 lakhs While no precise safeguards have been drawn up, invariably the fund for voluntary agencies are sanctioned after getting recommendations from the State Governments We have not so far received any complaints of these organisations indulging in politics

New Marketing System for Farm products

*318 SHRI AHMED M PATEL
SHRI K A RAJAN

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether a new marketing system for farm products has been suggested by the Government,

(b) if so, the details thereof,

(c) whether any other Agricultural Prices Commission is likely to be set up; and

(d) if so, what are the terms and functions of the said Commission?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). Suggestions for improving the marketing system for agricultural produce are considered from time to time in consultation with the State Governments These are taken into account in policy formulations and in operating the schemes of Central Assistance for marketing of agricultural produce

(c) and (d) No proposal for setting up any other Agricultural Prices Commission is under the consideration of Government

उत्तर प्रदेश में गन्ने का उत्पादन और पिराई

*319 श्री हरगोविन्द वर्मा : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत तीन वर्षों मे, वर्षवार, गन्ने का कितना उत्पादन हुआ

(ख) उक्त अवधि मे उत्तर प्रदेश में गन्ने का कितना उत्पादन हुआ

(ग) क्या सरकार गन्ने की पिराई कराने मे असफल रही है , और

(घ) यदि हा, तो इस बारे मे भविष्य के लिये क्या योजना बनाने का विचार है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) (क) से (घ) 1974-75 से 1976-77 मौसमो के दौरान गन्ने का उत्पादन (गन्ने